नई दिल्ली। बीजेपी नेशनल प्रेसिडेंट जे.पी. नड्डा को रक्षासूत्र बांधते हुए ब्र.कु. शिविका बहन,माउण्ट आबू। साथ हैं ब्र.कु. प्रकाश भाई,माउण्ट आबू।

ओ.आर.सी.-गुरुग्राम। ब्रह्माकुमारीज़ के अतिरिक्त महासचिव राजयोगी ब्र.कु. बृजमोहन भाई एवं ओआरसी निदेशिका राजयोगिनी ब्र.कु. आशा दीदी ने भारत के पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद के आवास पर उनसे मुलाकात की। राष्ट्रपति कोविंद ने संस्थान की प्रशंसा करते हुए कहा कि ब्रह्माकुमारीज़ में एक अलौकिक आकर्षण है। यहाँ के भाई-बहनों के सफेद वस्त्रों से विशेष खिंचाव होता है। ब्र.कु. बृजमोहन भाई ने कहा कि पवित्रता ही जीवन को आकर्षक बनाती है। इस मौके पर ब्र.कु. हुसैन बहन भी उपस्थित रहीं।

नई दिल्ली-ओम विहार। भारत के रक्षामंत्री राजनाथ सिंह से मुलाकात कर ज्ञानचर्चा एवं उन्हें रक्षासूत्र बांधने के पश्चात् ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए ब्र.कु. विमला बहन तथा ब्र.कु. सारिका बहन,हरिनगर। साथ ही रक्षामंत्री को कैप्टन शिव सिंह,पूर्व कमाण्डर तथा ब्र.कु. अटल भाई ने ब्रह्माकुमारीज़ के मुख्यालय में सिक्योरिटी सर्विस विंग द्वारा होने वाले 'इंस्पिरेशनल लीडरशिप एंड सेल्फ एम्पावरमेंट' कॉन्फ्रेन्स में आने का निमंत्रण भी दिया।

चुनौतियों का सामना विवेक शक्ति से

चुनौती हर एक के सामने आती है लेकिन किसी-किसी के लिए यही चुनौती अवसर के द्वार खोलती है और किसी-किसी के लिए यही चुनौती अवसर के द्वार बंद करती है और खूब पछाड़ती है। चुनौती के वक्त जो अपने मन को शान्त रख सकते हैं और सही निर्णय ले सकते हैं उनके लिए अवसर के द्वार खुलते हैं। लेकिन चुनौती के वक्त जो बहुत टेन्शन में रहता है, कन्फ्यूज़ रहता है, सही निर्णय नहीं ले पाता, स्वार्थ वश या किसी बात के प्रभाव वश अगर निर्णय लिया तो वो द्वार बन्द हो जायेंगे और वो पछाड़ने वाला अनुभव करेंगे। बाद में फिर अफसोस करना पड़ता है। क्या करें,उस वक्त मेरे ध्यान में ये बात आयी नहीं। फलाने ने मुझे ऐसा कहा इसलिए मैंने ऐसा किया। बाबा कहते कि तुमको किसी और के ऊपर ब्लेम(आरोप) लगाने नहीं लगाना। वास्तव में तुम खुद कितने कन्फ्यूज़ थे, कितने तनाव में थे इसलिए गलत निर्णय लिया। इसलिए आज तुमको पछाड़ती है। इसलिए चुनौती के वक्त अपने मन को शांत रखो, क्लीयर रखो।

दादी जानकी तीन शब्दा हमेशा कहती थीं- 'क्लीन, क्लीयर और प्यूअर'। माइड को क्लीन रखो, स्वच्छ रखो। व्यर्थ बातों से भरो नहीं, उसको अस्वच्छ नहीं करो। निगेटिव बातों से अस्वच्छ नहीं करो। बुद्धि को क्लीयर रखो,स्पष्ट रखो। बुद्धि क्लीयर होनी चाहिए, कन्फ्यूज़ नहीं होनी चाहिए। और दिल प्यूअर हो तो मन स्वच्छ, बुद्धि स्पष्ट और दिल निर्मल(पवित्र)। जितना निर्मल और पवित्र रहेगा उतनी हर चुनौती को पार करना आसान होगा। दुनिया के अन्दर लोगों के सामने तभी अनेक प्रकार की चुनौती बढ़ जाती हैं जब देहअभिमान वश हो चलते हैं। इसीलिए जितना हम निर्माण होकर चलेंगे, निमित्त बन करके चलेंगे, बाबा करनकरावनहार ये समझते हुए चलेंगे तो समस्यायें खत्म हो जायेंगी। चुनौतियां पिछड़ जायेंगी। वो आपके सामने आ नहीं सकेगी।

बाकी एक चुनौती जो वर्तमान समय में हर ब्राह्मणों के लिए अपना सिर ऊँचा कर रही है। जो ध्यान देने योग्य बात है, वो है आज के समय में अनेक अपने आप को भगवान कहलाने वाले आ गये। बाबा मेरे में आता है। मम्मा मेरे में आती है। दादियां मेरे में आती है ये बहुत बड़ी चुनौती है। परख शक्ति नहीं होगी तो क्या होगा? फँस जायेंगे। शास्त्रों में एक बात आती है। कौन-सी बात आती है? पौंड्रक की कहानी आती है जो आपने सुनी होगी। जिसके पास ऐसी शक्ति थी कि वो कोई भी रूप धारण कर सकता था, और इसीलिए कहा जाता है कि उसने श्रीकृष्ण का रूप धारण कर लिया और श्रीकृष्ण द्वारिका से कहीं बाहर गये हुए थे। उस समय पौंड्रक श्रीकृष्ण का रूप धारण करके वहाँ आकर बैठ गये और सारे नगर में, द्वारका में सब लोग यही समझने लगे कि श्रीकृष्ण आ गये, द्वारिकाधीश आ गये।

ब्र.कु. उषा,वरिष्ठ राजयोग प्रशिक्षिका

द्वारिकाधीश-द्वारिकाधीश करके उसकी जयजयकार भी बुला दिया गया। और सचमुच में जब श्रीकृष्ण आये। तो उसने उसको फ्रॉड(छल) बना दिया। उसका फ्रॉड सिद्ध कर दिया। लेकिन अन्त में सत्य, सत्य ही रहता है।

ठीक इसी समय अभी जैसे-जैसे अंतिम समय की ओर आगे बढ़ रहे हैं। ये बहुत बड़ी चुनौती ब्राह्मणों के लिए है, अब तीसरी बार यह झाड़ हिलने वाला है। कच्चे बच्चे सब जायेंगे। अच्छे-अच्छे बच्चे, ये शब्द कई बार साकार मुरली में सुना होगा। अच्छे-अच्छे बच्चे भी जायेंगे। उसमें आश्चर्य नहीं हो सकता क्योंकि परख शक्ति की कमी। उस पौंड्रक को पहचान नहीं सके। जो कहते बाबा-मम्मा आते हैं। हमें अच्छी पालना दे रहे हैं। इतनी अच्छी ज्ञान की बातें सुनाते हैं। अगर भगवान को आना ही था, तीसरा रथ लेना ही था तो इतना बड़ा यज्ञ जो भगवान ने बनाया, इतना विशाल वट(वृक्ष)जो बनाया। क्या यहाँ उसको तीसरा कोई रथ ही नहीं मिला! जो उसको बाहर वाले कोई आत्मा के अन्दर आना पड़े! सोचने की बात है। क्या यहाँ कोई पवित्र आत्माएं है ही नहीं!

जिस धरनी को भगवान ने अपनी शक्ति से सींचा, पवित्रता की शक्ति से सींचा बाबा मधुबन के अलावा कहीं और आया है? बाबा ने कहा, हाँ,जहाँ मधुबन बनायेंगे वहाँ बाबा आयेंगे। जानकी दादी एक बार बहुत पीछे बाबा के लगे थे। बाबा एक बार लण्डन आ जाओ, एक बार लण्डन आ जाओ। बाबा ने उस समय ये बात कही थी कि जहाँ मधुबन होगा वहाँ बाबा आयेगा। अब आज भगवान नगर-नगर घूम रहा है। क्या आज उसका कोई अस्तित्व नहीं? ऐसा हो सकता है कभी? विवेक को यूज़ करने की बात है। अगर कोई भी कहे कि हमारे पास भगवान आता है तो ये तो निश्चय की परीक्षा है ना! यही तो निश्चय को हिलाने वाली बात है। और जो कच्चे होंगे वो तो झड़ने ही हैं क्योंकि झाड़ बहुत वृद्धि को प्राप्त कर चुका है। भगवान वर्सा किनको देंगे? निश्चयबुद्धि विजयन्ती या संशयबुद्धि विनश्यन्ती?

मुझे याद आता है जब हम पहली बार आये मधुबन में, हिस्ट्री हॉल में बाबा मिलता था। छोटा-सा परिवार था। एक दिन छोड़ कर बाबा मिलता था। उसके बाद जैसे-जैसे वृद्धि हुई फिर दो दिन छोड़ कर, फिर हफ्ते में एक दिन, फिर सेंटर वालों से, फिर ज़ोन के हिसाब से, फिर भारत और विदेश वाले ये हो गया। मतलब जैसे-जैसे वृद्धि होती गई वैसे-वैसे बाबा का सभी से पर्सनली मिलने का समय भी पूरा होता गया। अगर बाबा को तीसरा रथ लेना ही था तो समेटना क्यों चालू किया? उसी समय से बाबा ने कहा था कि बच्चे ये अव्यक्त बापदादा का व्यक्त में मिलन कब तक! बाबा ने यहाँ तक इशारा दिया था कि बच्चे अव्यक्त बनकर के अव्यक्त मिलन मनाओ। जितनी देर तक मिलन मनाना चाहो मिलन मना सकते हो। जब बाबा ने पहले से ही हमारे अन्दर ये बीजारोपण किया कि बच्चे, बाबा कब तक आता रहेगा? अब आप लोग ऊपर आओ।

- शेष पेज 7 पर

नई दिल्ली-हरिनगर। आज़ादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत ब्रह्माकुमारीज़ व इंडियन मीडिया वेलफेयर एसोसिएशन द्वारा आयोजित पत्रकारों एवं राजनीतिज्ञों हेतु मेडिटेशन द्वारा तनाव प्रबंधन कार्यशाला का एनडीएमसी कन्वेंशन सेंटर में दीप प्रज्वलित कर शुभारम्भ करते हुए उपभोक्ता मामले,खाद्य और सार्वजनिक वितरण राज्यमंत्री अश्विनी कुमार चौबे, आईआईएमसी,भारतीय जन संचार संस्थान के महानिदेशक प्रोफेसर संजय द्विवेदी, तनाव प्रबंधन विशेषज्ञा राजयोगिनी ब्र.कु. आशा दीदी, न्यूज़ 24 की एडिटर इन चीफ श्रीमति अनुराधा प्रसाद, वरिष्ठ पत्रकार डॉ. वेद प्रताप वैदिक, भारतीय मीडिया कल्याण संघ के अध्यक्ष राजीव निशाना, दिल्ली और हरियाणा स्थित राजयोग सेवाकेन्द्रों की निदेशिका राजयोगिनी ब्र.कु. शुक्ला दीदी तथा दिल्ली पुलिस के विशेष आयुक्त दीपेन्द्र पाठक,आईपीएस।

ओम शान्ति मीडिया सदस्यता हेतु सम्पर्क करें

कार्यालय - ओम शान्ति मीडिया

संपादक - ब्र.कु. गंगाधर, ब्रह्माकुमारीज़, शान्तिवन, तलहटी, पोस्ट बॉक्स न-5,आबू रोड, राज. 307510

सम्पर्क- M- 9414006096, 9414182088,
Email-omshantimedia@bkivv.org

सदस्यता शुल्क : भारत - वार्षिक - 240 रूपये, तीन वर्ष - 720 रूपये, आजीवन - 6000 रूपये

Website: www.omshantimedia.org

For Online Transfer

BANK NAME:- STATE BANK OF INDIA(SBI)
ACCOUNT NAME:- OM SHANTI MEDIA
ACCOUNT NO: - 30826907041,IFSC - CODE - SBIN0010638
BRANCH- Prajapita Brahmakumaris Ishwariya Vishwa Vidhyalya,Shantivan

Note:- AfterTransfer send detail on
E-Mail -omshantimedia.acct@bkivv.org
OR
Whatsapp, Telegram No.:- 9414172087

ALL-IN-ONE QR

Paytm
Accepted Here
Wallet KYC NOT Required

Scan & Pay using Paytm App

Wallet or Bank A/c | Any Debit or Credit Card | Paytm Postpaid

BHIM UPI

दिल्ली। डॉक्टर्स के सम्मान में आयोजित कार्यक्रम का दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ करते हुए बायें से डॉ. सुजीता सिंह,एमएस,जयपुर गोल्डन हॉस्पिटल,दिल्ली, ब्र.कु. लक्ष्मी दीदी, डॉ. डी.के. बलूजा,एमडी,जयपुर गोल्डन हॉस्पिटल,दिल्ली तथा ब्रह्माकुमारीज़ मेडिकल विंग के सचिव डॉ. बनारसी भाई,माउण्ट आबू।

अयोध्या-उ.प्र.। आज़ादी के अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में रैली का शुभारंभ भारत माता के प्रतिरूप को तिरंगा देकर करते हुए अयोध्या कोतवाली प्रभारी जनार्दन सिंह। साथ हैं ब्र.कु. सुधा बहन तथा अन्य।